PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Saturday 4th January 2014, Page: 1
Width: 10.12 cms, Height: 13.97 cms, a4, Ref: pmin.2014-01-04.55.10

इनोवेटिव दवाओं को बढ़ावा देने पर सरकार का फोकस

बिजनेस भास्कर ▶ **नई दिल्ली...**

केंद्र सरकार द्वारा टाइम रिलीज दवाओं को प्राइस कंट्रोल के दायरे से बाहर करने के फैसले से दवा उद्योग में इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। दवा उद्योग का कहना है कि इनोवेटिव दवाओं को तैयार करने के लिए लंबे समय तक शोध करना पड़ता है और इस पर ज्यादा संसाधन खर्च होते हैं। ऐसे में न्यू ड्रग डेवलपमेंट सिस्टम के तहत टाइम रिलीज दवाओं को प्राइस कंट्रोल के दायरे से बाहर रखना एक अच्छा कदम है।

सन फार्मा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'बिजनेस भास्कर' को बताया कि टाइम रिलीज दवाएं तैयार करने में दवा कंपनियों को शोध एवं विकास पर खासा निवेश करना पड़ता है। इसके अलावा कुछ खास बीमारियों के इलाज के लिए इस कैटेगरी की दवाओं की जरूरत पड़ती है। ऐसे में दवा उद्योग को इनोवेटिव दवाएं बनाने की दिशा में प्रोत्साहित करने के लिए इन दवाओं को प्राइस कंट्रोल के दायरे से बाहर रखना एक तार्किक कदम है। घरेलू दवा कंपनियों के उद्योग संगठन इंडियन ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडीएमए) के संयुक्त सचिव सुदर्शन आर्य का कहना है कि इनोवेटिव दवाओं पर होने वाले निवेश और इन दवाओं की जरूरतों को समझते हुए सरकार ने यह फैसला किया है। ऐसे में हम भविष्य में दवा कंपनियों की ओर से इनोवेशन पर निवेश बढ़ाए जाने की उम्मीद कर सकते हैं। वहीं, इंडियन फार्मास्युटिकल्स एलाएंस के सेक्रेटरी जनरल डी.जी.शाह ने इन आशंकाओं को गलत बताया कि इनोवेशन के नाम पर दवा कंपनियां ज्यादा से ज्यादा दवाओं को प्राइस कंट्रोल के दायरे से बाहर रखने का रास्ता निकाल सकती हैं।

टाइम रिलीज दवाएं

ये असल में ऐसी दवाएं होती हैं जो बीमारी के आधार पर जरूरत के हिसाब से तेज या धीमी गति से मरीज के शरीर में घुलने के लिए बनाई जाती हैं। टाइम रिलीज दवाएं आम तौर पर साधारण दवाओं की तुलना में महंगी होती हैं

a163